प्रदेश में नए मदों के प्रस्ताव नहीं होंगे मंजूर

▶ वित्तीय अनुशासन से अफसरों की मंशा पूरी नहीं होगी ▶ द्वितीय अनुपूरक में भी बरकरार रहेगी बंदिश

कन्हैया लोधी

भोपाल, 21 अक्टूबर. प्रदेश में लक्जरी सरकारी खर्चों पर लगाम कसने की तैयारी कर ली गई है. सामान्य तौर पर वित्तीय अनुशासन की कैंची वित्तीय वर्ष के आखिरी के तीन माह में चलाई जाती है, लेकिन राज्य सरकार ने नए वित्तीय वर्ष के शुरुआत से ही इस मामले में जो सख्ती दिखाई है, उस सख्ती में रियायत के फिलहाल कोई आसार नहीं है. प्रदेश में अब सरकारी विभाग वित्त विभाग को ना तो नए मदों के प्रस्ताव देंगे और न ही वे नए वाहन खरीदने के प्रस्ताव दे सकेंगे. यदि कोई विभाग वित्त विभाग के निर्देशों को नजरअंदाज कर इस तरह का कोई प्रस्ताव भेजते हैं, तो फिर उसे निरस्त कर दिया जाएगा.

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में एक बार फिर वित्त विभाग ने अनुपूरक बजट पेश करने की तैयारी शुरू कर दी है. इसके लिये विभागों से प्रस्ताव मांगे गये हैं, लेकिन प्रस्ताव मांगने के लिये जो पत्र विभागों को भेजा गया है, उसमें विभागों की ओर से केवल राशि हासिल करने के लिये प्रस्ताव भेजने के चलन पर पूरी तरह रोक लगाने की कवायद की गई है.

वित्त विभाग ने साफ किया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये बलट निर्माण जीरो बेस बजट प्रणाली के आधार पर किया गया. इस जीरो बेस बजट प्रणाली की वित्त विभाग ने बाकायदा समीक्षा भी की है, जिसमें ये नतीजा निकला कि राज्य सरकार के तहत पूर्व देयताओं को भी पूर्व वित्तीय वर्ष में जरुरत के हिसाब से बजट दिया जाकर कम से कम किया जा चुका है. ऐसी स्थिति में द्वितीय अनुपूरक अनुमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये विभागों को तय मानकों के आधार पर ही ऑनलाईन प्रस्ताव देना होगा. विभागों को प्रस्ताव देने के लिये 7 नवंबर का समय तय किया गया है.

▶ केवल इस तरह के प्रस्ताव दे सकेंगे

वित्त विभाग ने जिनके लिये आकस्मिकता निधि से अग्रिम स्वीकृत किया गया है, इस तरह के मामलों में प्रस्ताव देने की अनुमति होगी. इसी तरह जिनके लिये वित्त विभाग से पहले ही स्वीकृति मिली हो या फिर जिनके लिये भारत सरकार या अन्य एजेंसी से वित्तीय सहायता , केंद्रांश स्वीकृत किया गया हो और जो मौजूदा मदों से विमुक्त नहीं किया जा सकता हो, जिसके लिये अतिरिक्त संशाधन की व्यवस्था प्रशासकीय विभाग या अन्य प्रचलित योजनाओं में उपलब्ध राशि में से कटौती कर बचत राशि से नहीं कर पायेंगे. इस तरह के मामले में भी प्रस्ताव दे सकेंगे. इसी क्रम में विशेष पूंजीगत सहायता योजना के तहत जिन विभागों द्वारा भारत सरकार को प्रस्ताव भेजकर या भेजे जाने वाले प्रस्ताव के तहत यदि अलग से बजट लाईन खोलने की आवश्यकता हो ऐसे मामलों में प्रतीक प्रावधान से बजट लाईन खोलने के लिये राशि की मांग करने संबंधी प्रस्ताव भेजे जा सकेंगे. इसी तरह विशेष पूंजीगत सहायता योजना मं भारत सरकार द्वारा स्वीकृति प्राप्त कार्यों में यदि अतिरिक्त बजट की आवश्यकता हो तथा अन्य योजनाओं की बचत से पूर्ति किया जाना संभव न हो, तो ऐसे मामलों में प्रस्ताव वित्त विभाग स्वीकार करेगा.

जिन मदों में केंद्र से मिलना है राशि, उसका पूरा ब्यौरा मांगा

वित्त विभाग ने सभी विभागों को भेजे ताजा पत्र में यह भी साफ किया है कि जिन मदों के लिये अतिरिक्त केंद्रीय सहायता प्राप्त होनी है, उनकी संक्षेपिका, केंद्रीय सहायता की राशि, जो राज्य को ऋण या अनुदान के रूप में प्राप्त होगी, का लेख करते हुए आवश्यक रूप से भेजना जरुरी होगा. इसी तरह यदि कोई व्यय, जिसके लिये राशि की मांग की जा रही है, उसे यदि स्वीकृत बजट की बचत से एकाउंट में समायोजित होना है तो उस संबंध में अनुदान का भी पूरा ब्यौरा मांगा गया है.

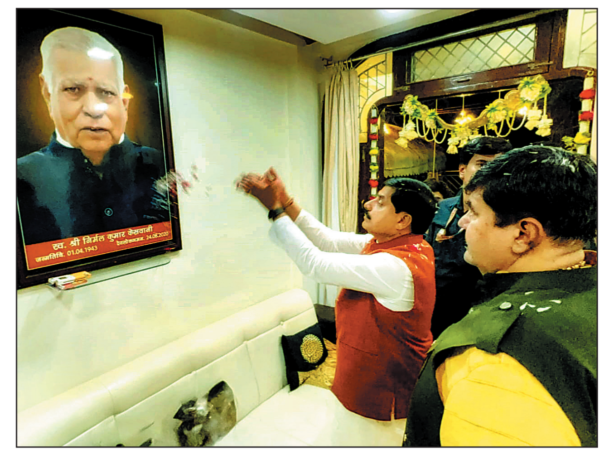

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दादा केसवानी को दी श्रद्धांजलि

भोपाल, 21 अक्टूबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को दीवाली मिलन के अवसर पर भाजपा प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश केसवानी के भोपाल स्थित निवास पहुंचे.

यहां उन्होंने डॉ. केसवानी के पिताजी स्व. दादा केसवानी को श्रद्धांजलि अर्पित की. इस मौके पर धीरज केसवानी और यश केसवानी ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया.

इस दौरान सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति सहित कई पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे. सभी ने स्व. दादा केसवानी के समाजसेवी योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी.

लेब्रा डॉग ने महिला का पैर नोंचा

गुस्साए लोगों ने डॉग को मार डाला

▶ पैर में इतना मांस भी नहीं बचा कि टांके लगाए जा सके

ग्वालियर, 21 अक्टूबर. एक लेब्रा डॉग ने महिला का पैर नोच डाला. महिला के पैर की हड्डी दिखने लगी, इसके बाद लोगों ने कुत्ते को मार डाला. लेब्रा डॉग ने महिला पर हमला कर उसके पैर को दांतों से फाड़ दिया. पैर में इतना मांस भी नहीं बचा कि टांके लगाए जा सके.

इस घटना से गुस्साए लोगों ने डॉग को पीट-पीटकर मार डाला.

घटना डबरा के पास गोराघाट पचोखरा की है. मामला तब सामने आया जब महिला को इलाज के लिए जयारोग्य अस्पताल लाया गया. महिला की हालत अभी स्थिर है.

साकेत नगर में मूलनायक जी का महामस्तकाभिषेक

भोपाल, 21 अक्टूबर. भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर साकेत नगर में मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अवसर पर मंदिर जी के मूलनायक महावीर भगवान का महामस्तकाभिषेक किया गया.

हेमलता जैन रचना ने बताया कि जैन समाज द्वारा दीपावली, जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस के रूप में मनाई जाती है. मंदिर अध्यक्ष नरेंद्र टोंग्या ने बताया कि मूलनायक भगवान महावीर के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य देवेंद्र जैन नौहराकलां एवं परिवार को प्राप्त हुआ. वहीं सुनील जैन एनएचडीसी, नीरव जैन हाथीशाह तथा नरेंद्र जैन टोंग्या एवं परिवार को क्रमशः द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त हुआ. वहीं शांतिधारा हरीश जैन रेलवे, देवेश जैन, राजेश जैन, सुगंधी लाल जैन, शैलेन्द्र जैन एमरॉल्ड, डॉ शैलेन्द्र जैन बीयू, डॉ आरके जैन, प्रकाशचंद जैन, महेंद्र जैन चंदेरी, निहालचंद जैन आदि को शांतिधारा का एवं निर्वाण लाडू का सौभाग्य राजश्री बसंत जैन एवं परिवार को प्राप्त हुआ.

इस अवसर पर साकेत नगर जैन समाज ने बिना बोली निर्वाण महोत्सव मनाने की एक नई परंपरा के इतिहास को दोहराया. निर्वाण लाडू चढ़ाने के लिए ऑनलाइन बोली के माध्यम से पर्व के चालीस दिन पहले ही समस्त बोलियों का निर्धारण कर लिया गया था, जिसके फलस्वरूप ठीक 7:30 बजे निर्वाण लाडू श्रीजी को अर्पित कर दिए गए.

गौ माता को पाले और करें सेवा :देवड़ा

भोपाल. उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंगलवार को मंदसौर में गुरूदेव कमलमुनि चिन्मयानंद गौशाला लामगरी-नगरी में गोवर्धन पूजा की. उन्होंने गौ माता को गुड़ एवं रोटी खिलाई और गाय-बछड़ों को दुलारा. उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने सभी को दीपावली और गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी को गौमाता की सेवा और गौपालन करना चाहिए. हमारी सनातन संस्कृति हमें प्रकृति से जुड़ना सिखाती है.

ट्रेन के गेट पर बैठे युवक की गिरने से मौत

सलामतपुर, 21 अक्टूबर(नवभारत न्यूज). जिले के सलामतपुर और सांची स्टेशन के बीच 32 वर्षीय युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, घटना मंगलवार सुबह करीब 5 बजे रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर रेलवे ओवरब्रिज के पास की है. मृतक की पहचान श्याम बहादुर परिहार पिता प्रेम बहादुर परिहार, निवासी नेपाल के रूप में हुई है.

बताया जा रहा है कि श्याम बहादुर भोपाल में एक होटल में काम करता था. मंगलवार को वह अपने पिता के साथ ट्रेन से बरनी (उत्तर प्रदेश) के लिए रवाना हुआ था, जहां से दोनों को नेपाल जाना था. सांची के पास ट्रेन के गेट पर बैठे श्याम बहादुर को उनके पिता ने कई बार सीट पर बैठने के लिए समझाया, लेकिन वह नहीं माना. इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई.

घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. फिलहाल शव को सांची सिविल अस्पताल की मर्चुरी रूम में रखा गया है. बताया जा रहा है कि शव का पोस्टमार्टम भोपाल हमीदिया अस्पताल में किया जाएगा. जीआरपी पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है.

मंत्री तोमर ने किया सब-स्टेशन फूलबाग का औचक निरीक्षण

भोपाल, 21 अक्टूबर. ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दीपावली की रात्रि में ग्वालियर स्थित मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एम.पी. ट्रांसको) के 132 के.व्ही. सब-स्टेशन, फूलबाग का औचक निरीक्षण किया.

उन्होंने सब-स्टेशन से संचालित 33 के.व्ही. फीडरों की ट्रिपिंग स्थिति एवं उन पर लोड की जानकारी प्राप्त की. उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों से विद्युत आपूर्ति की स्थिति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए. ऊर्जा मंत्री तोमर ने प्रदेश में 24म7 विद्युत आपूर्ति बनाए रखने में संलग्न विद्युत कंपनियों के सभी कार्मिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनकी सेवा भावना और कार्यनिष्ठा की सराहना की.

झुग्गी बस्ती के बच्चों संग मनाई दिवाली

भोपाल, 21 अक्टूबर. दीपावली के पावन अवसर पर मानवाधिकार सुरक्षा संरक्षण ऑर्गेनाइजेशन द्वारा झुग्गी बस्ती क्षेत्र में स्थित बाल केयर आश्रम के बच्चों के साथ दीपावली मनाई गई. इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय सचिव डॉ श्रीकांत अवस्थी, संरक्षक राकेश चतुर्वेदी, डॉ. आरती नामदेव एवं कृष्ण मोहन अग्निहोत्री उपस्थित रहे. सभी पदाधिकारियों ने बच्चों के साथ दीप जलाकर और पटाखे फोड़कर दीपावली का आनंद लिया. बच्चों को मिठाइयाँ वितरित की गईं.

कार्यक्रम के दौरान डॉ अवस्थी ने बच्चों को दीपावली का महत्व बताया. राकेश चतुर्वेदी ने बाल केयर सेंटर के सदस्यों से आग्रह किया कि वे बच्चों के चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान दें.

अंत में सभी ने बच्चों के साथ मिलकर दीप जलाए और दीपावली की खुशियां बांटी.

बेगमगंज में युवा किसान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बेगमगंज. बड़गवां गांव में एक युवा किसान ने अपने खेत की मेढ़ पर लगे पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने मामला दर्जकर जांच में लिया.

सूत्रों के अनुसार बड़गवां गांव में बीती दीपावली की रात 28 वर्षीय युवा किसान रामकुमार लोधी पिता केशरी लाल लोधी ने अज्ञात कारणों के चलते शराब के नशे में अपने खेत की मेढ़ पर लगे अमरूद के पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मंगलवार की सुबह जब मृतक की भाभी खेत पर पहुंची तो उसने अपने देवर को फांसी के फंदे पर झूलते हुए देखा. मृतक के भाई चंद्रेश लोधी ने पुलिस को बताया कि उसका भाई रामकुमार लोधी अविवाहित है.

दिवाली पर गरीब बच्चों को बांटे खिलौने, पटाखे

नई राह समिति ने वस्त्र, खाद्य सामग्री वितरित की

बैरसिया, 21 अक्टूबर. नई राह शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति, बैरसिया द्वारा शुरू की गई दीपावली सेवा पहल का मंगलवार को सेवा और संवेदना के माहौल में समापन हो गया. इस पहल के माध्यम से समिति ने उन परिवारों तक दीपावली की खुशियाँ पहुँचाने का प्रयास किया, जिनके घरों में गरीबी के अभाव में अंधियारा छाया रहता था.

बता दें समिति द्वारा नगर से 16 अक्टूबर तक वस्त्र, खाद्य सामग्री, खेल खिलौने और पटाखे आदि दैनिक उपयोगी वस्तुओं का संग्रह किया गया. इसके बाद तीन दिन 19 अक्टूबर तक बैरसिया नगरीय क्षेत्र के आसपास झुग्गी-बस्तियों के रहवासियों में उक्त संग्रह सामग्री का वितरण समिति के सदस्यों ने किया.

इधर इस सेवा कार्य में नगरवासियों ने भी बढ़-चढ़कर अपना सहयोग दिया. किसी ने अनाज, किसी ने कपड़े तो किसी ने अपना अमूल्य समय दे इस पुनीत कार्य में भागीदारी बने.

समिति के पदाधिकारी ने बताया कि दीपावली सिर्फ दीप जलाने का त्यौहार नहीं, बल्कि किसी के जीवन में उम्मीद की लौ जलाने का अवसर है. हमारा उद्देश्य था कि कोई भी परिवार इस त्यौहार पर खुद को अकेला न महसूस करे. समिति ने समस्त सहयोगी दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए आगे भी ऐसे कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया है.

ओवरलोड वाहनों से कभी भी हो सकता है हादसा

सलामतपुर, 21 अक्टूबर. रायसेन जिले के भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे क्रमांक 18 पर ओवरलोड वाहनों का संचालन लगातार बढ़ता जा रहा है. ये वाहन, खासकर भूसे से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रक, सड़क पर बेतरतीब ढंग से चलते हुए पूरे मार्ग को घेर लेते हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन भर ऐसे ओवरलोड वाहन गुजरते रहते हैं, जिससे आवागमन में परेशानी के साथ-साथ सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ गया है. कई बार इन वाहनों की वजह से छोटे वाहन चालकों को ओवरटेक करने में कठिनाई होती है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हाईवे पर ओवरलोड वाहनों की जांच कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए.

समीक्षा बैठक में सीएम ने दिए निर्देश ▶ भावांतर योजना में अब तक 9 .36 लाख किसानों ने कराया पंजीयन

किसानों को कोई असुविधा न हो, अफसर यह सुनिश्चित करें

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 21 अक्टूबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के किसानों के हित में भावांतर योजना प्रारंभ की गई है, जिसका चहुंओर स्वागत हो रहा है. प्रदेश में तीन गुना से अधिक पंजीयन योजना में हुए हैं. कुल 9.36 लाख किसानों ने पंजीयन करवाया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना की संपूर्ण प्रक्रिया में किसानों को कोई असुविधा न हो, यह सुनिश्चित किया जाए.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में किसानों से सोयाबीन खरीदी के लिए लागू की गई भावांतर योजना के संबंध में मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए. बैठक में बताया गया कि भावांतर योजना में प्रदेश में सात जिले उज्जैन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, विदिशा और सागर ऐसे हैं जहां 50-50 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है. इसी तरह 21 जिलों से 10-10 हजार से अधिक किसानों ने पंजीयन करवाया है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों में किसानों को

मंडियों और उपमंडियों में सोयाबीन विक्रय के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण की जाएं. योजना से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां किसानों को प्रदान की जाएं. इस माह किए गए योजना के प्रचार का ही अच्छा परिणाम है कि बड़ी संख्या में पंजीयन हुए हैं. ई-उपार्जन पोर्टल के माध्यम से किसानों के पंजीकृत बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भावांतर राशि का भुगतान निर्धारित अवधि में किया जाए, साथ ही भुगतान के संबंध में किसान को एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जाए.

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक सोयाबीन की विक्रय अवधि रहेगी. ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन के बाद मंडी पोर्टल में ई-मंडी पोर्टल पर सभी कार्य इलेक्ट्रानिक माध्यम से किए गए हैं. सभी मंडियों और उप मंडियों में तकनीकी एवं मानव संसाधन की व्यवस्था की गई है.

मंडी स्तरीय कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी हुआ है. प्रवेश गेट और प्रांगण की सीसीटीवी मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है. प्रत्येक मंडी में हेल्प डेक्स भी बनाई गई है. कलेक्टर्स और कमिश्नर्स के साथ ही कृषि सचिव द्वारा बैठकों में भावांतर योजना के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं.